Lecture - 143

गाँधी एवं उनके सत्य अहिंसा का दर्शन

- Mamta Rani
Guest Assistant Professor
SNSRKS College,
Saharsa
Deptt. of History.
BA Part - 3rd.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

इन्होंने अहिंसा को केवल व्यक्तिगत सद्गुण नहीं माना, इनके हिसाब से ये सामाजिक सद्गुण था। इनके अनुसार अहिंसा को आधार मानकर नया गाँव समाज, ऐसा समाज होगा जहाँ स्वैच्छिक सहयोग एवं गरिमामयी शांतिपूर्ण जीवन होगा।

~~[illegible]~~

"युद्ध का विज्ञान हमें विशुद्ध तानाशाही की ओर ले जाता है। अहिंसा का विज्ञान ही शुद्ध लोकतंत्र की ओर ले जा सकता है (हरिजन पत्रिका, 12/11/1938, Page no – 328)"

गाँधी जी कहते हैं कि कोई भी सरकार पूर्णतः अहिंसक बनकर कामयाब नहीं हो सकती है, क्योंकि वह सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। किन्तु लोकतंत्र में हिंसा का भी स्थान नहीं है, उन्हें बहुत हद तक अहिंसक बनाकर लोकतंत्र को प्रभावी रूप से नियंत्रित एवं निर्देशित किया जा सकता।

~~[illegible]~~

परंतु ध्यान देने वाली बात ये भी है कि गाँधी जी ने आत्मरक्षा जैसी विकट परिस्थितियों में अहिंसा त्यागकर हिंसा के प्रयोग को भी नैतिक माना।

(3)

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

(1) Page - 1??
Book - महात्मा गांधी के विचार
R. K. Prabhu & U. R. Rao
Publisher - Navjeevan Publishing House

अहिंसा की शक्ति

गांधी जी की जो अहिंसा को लेकर धारणा थी वो ये थी कि "अहिंसा का अर्थ बुराई करने वालों की इच्छा के समक्ष विनीत बनकर आत्मसमर्पण कर देना नहीं, बल्कि उसके विरुद्ध अपना पूरा आत्मबल लगा देना है। मानव जाति के इस नियम के अनुसार आचरण करते हुए, एक अकेला इंसान भी अपने सम्मान, अपने धर्म, या अपने आत्मा की रक्षा के लिए किसी अत्याचारी साम्राज्य की पूरी शक्ति का मुकाबला कर सकता है और साम्राज्य के पतन तथा पुनरुद्धार की नींव रख सकता है।"

गांधी जी के अनुसार अहिंसा धर्म का भी रूप ले सकती किन्तु तभी जब वह सर्वव्यापी हो। अहिंसा की शक्ति दुनिया का सबसे सक्रिय बल है, अहिंसा सर्वोच्च नियम है और गांधी जी ने अपनी इस अहिंसा के नियम से ना तो कभी विमुख हुए और ना ही कभी कोई समझौता किया। इनकी इसी विचारधारा ने पराधीनता की जलन और अत्याचार के अंधेरों के गर्त से करोड़ों लोगों को निकाला उन्हें आशा कि किरण दिखाई। उन्होंने अहिंसा की शक्ति को ना सिर्फ बताई भी बल्कि उसको प्रायोगिक रूप से सफल करके दिखाया।

गाँधी एवं उनके सत्य अहिंसा का दर्शन

ऐसा कभी कभी होता है कि सामान्य स्तर से ऊपर उठकर कोई असाधारण आत्मा, जिसने ईश्वर के विषय में बहुत अधिक गहराई से चिंतन किया है और ईश्वरीय मार्गदर्शन के अनुरूप ही विनीततापूर्वक आचरण करती है. महात्मा गांधी भी ऐसी महान विभूतियों में से एक थे।

इनका जीवन एवं उपदेश इन मूल्यों के साक्षी है, जो कि मजहबी सीमाओं के परे, सार्वभौम है और [illegible] रूप से इस देश की धरोहर है। यदि समसामयिक अभियानों को महत्वपूर्ण माने तो गाँधी जी की गिनती मानव इतिहास के महानतम पुरुषों में की जायेगी। वस्तु समस्त भारत के लोगों के हृदय में वे युगो युगो तक महात्मा और राष्ट्रपिता के रूप में अंकित रहेंगे। इतिहास हमेशा इस बात पर गर्व करेगा कि एक छोटे से दिखने वाले व्यक्ति का अपने देशवासियों के ऊपर इतना जबर्दस्त प्रभाव था कि, उसकी कोई और मिसाल नहीं मिलती। ये आश्चर्य की बात है कि उनके इस प्रभाव के पीछे कोई लौकिक शक्ति या अस्त्र शस्त्रों का बल नहीं था बल्कि इसके पीछे ताकत थी गाँधी की सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह की नीति।

गाँधी जी ने राज्य की संगठित शक्ति के मुकाबले अहिंसा एवं सत्य की पवित्र शक्ति को ला खड़ा किया था, जिसने बिना रक्त की एक बूँद बहाये ही भारत को विदेशी दासता से मुक्त कराया।

1

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz